भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 22.08.2020

सुविधा | हैपी माइंड्स एप मनोवैज्ञानिक सलाहकार बन चौबीसों घंटे रहेगा साथ

# कोविड काल में उपजे मानसिक विकारों को अब मनोवैज्ञानिक घर बैठे ही देंगे विश्राम

हिमांशु अस्थाना ● वाराणसी

कोविड काल में युवा व बुजुर्ग सभी मानसिक अवसाद व तमाम सामाजिक उधेड़बुन के साथ जीवन जी रहे हैं। वहीं संक्रमण के डर से मनोवैज्ञानिकों के क्लीनिक तक लोग अपने मन की पीड़ा शांत करने भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस विकट घड़ी में घर बैठे ही पूर्ण मानसिक विश्राम देने के लिए आइआइटी-बीएचयू में बना हैपी माइंड्स एप मनोवैज्ञानिक सलाहकार बन चौबीसों घंटे लोगों के साथ रहेगा। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र शाश्वत अग्रवाल ने यह एप विकसित किया है, जो कि प्लेस्टोर एप पर मौजूद है। इस एप के लिए उन्हें इंडो- यूरोपियन ग्लोबल लेवल के हैकाथॉन में द्वितीय पुरस्कार से नवाजा भी जा चुका है।

तनाव को दूर करने के साथ ही यह एप एक पूर्ण मानसिक स्वास्थ्य का पैकेज भी उपलब्ध कराता है। दिमागी उथलपुथल से जूझ रहा व्यक्ति अपने मनो वैज्ञानिक के साथ किसी भी उपलब्ध टाइम स्लॉट में अप्वाइंटमेंट बुक कर वीडियो कॉलिंग, चैट और वायस कॉल के माध्यम से सेवा का लाभ उठा सकता है। विशेषज्ञ एप के रेफरल कोड को मरीज के साथ साझा करेंगे, जिससे उनकी अपॉइंटमेंट रजिस्टर हो जाएगी। मन को राहत देने वाला यह एप मरीज की हर मानसिक गतिविधियों की होमवर्क के माध्यम से हर समय नजर रखता है। यदि होमवर्क के मुताबिक किसी मरीज की मानसिक हालात असामान्य हो रही है तो मनोवैज्ञानिक तत्काल प्रभाव से अपने मरीज की मदद के लिए मौजूद रहेंगे। शाश्वत के इस आइडिया को वहीं आइआइटी के सिस्को थिंग्यूबेटर की मदद से स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जा रहा है। वह इसके सीईओ और दिव्यांश कुमार सीटीओ हैं।

कोविड काल में युवाओं व छात्रों में उपजे अवसादों, मानसिक विकारों को दूर करने में यह एप बेहतर टूल साबित होगा। इस दौरान छात्रों को प्रत्यक्ष कैंपस का माहौल न मिलने से तमाम भ्रांतियां भी उनके दिमाग में उत्पन्न हुई होंगी। इस परिस्थिति में यह एप सभी छात्रों के लिए एक मनोवैज्ञानिक सलाहकार की भूमिका निभाएगा। इस एप का प्रसार आइआइटी-बीएचयू के छात्रों में किया जाएगा।

**प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन**, निदेशक, आइआइटी-बीएचयू

**जागरण विशेष**

●आइआइटी-बीएचयू के छात्र शाश्वत के इस आइडिया को यूरोप के हैकाथॉन में मिला है दूसरा पुरस्कार

### ऑनलाइन परामर्श की जटिल प्रक्रिया से मिलेगी निजात

वर्तमान में हर मनोवैज्ञानिक गूगल मीट जैसे विडियो कॉलिंग एप से मरीजों को लिंक जनरेट करता है और हर एक को व्यक्तिगत रूप से मैसेज करेगा और एक लंबी वार्तालाप व पेमेंट करने के बाद अप्वाइंटमेंट बुक होगा। इतने जटिल और लंबे प्रक्रिया को पूरा करने में दोनों पक्षों का काफी समय व्यतीत हो जाता है। वहीं इस एप के माध्यम से अब व्यक्ति सीधे एप पर अपने मन पसंद मनोवैज्ञानिक को विलक करेगा और उसके उपलब्ध टाइम स्लॉट में अप्वाइंटमेंट बुक कर लेगा।

शाश्वत अग्रवाल ● सोसल मिडिया

**कई अन्य फीचर भी हैं खास:** क्लाइंट यानी कि व्यक्ति और मनोवैज्ञानिक के लिए अलग-अलग एप्लिकेशन प्लेस्टोर पर उपलब्ध हैं, जिस पर लॉगिन कर मानसिक स्वास्थ्य संबंधित सेवाएं ली जा सकती हैं।

इसके लिए व्यक्ति से कुछ शुल्क भी लिया जाएगा, जिसमें मनोवैज्ञानिक के प्रत्येक लेक्चर, वेबिनार और विशेष सलाहकारी कार्यक्रम में जुड़ कर लाभ व्यक्ति उठा सकेगा। वहीं शाश्वत के अनुसार अगले महीने से हर व्यक्ति स्वतंत्र रूप से किसी भी मनोवैज्ञानिक से जुड़कर परामर्श ले सकेगा।